शिवभगवानुवाच (संक्षिप्त परिभाषायें)

साक्षीद्रष्टा वो हैं जो हर आत्मा के पार्ट को व हर खेल को साक्षी होकर देखते हैं।

खुशनसीब वो हैं जो पुरुषार्थी जीवन में सदा सन्तुष्ट और खुश रहते हैं।

सच्चे तपस्वी वो हैं जो संकल्प व स्वपन में भी एक दिलाराम की याद में रहते हैं।

ऊंच ब्राह्मण वो हैं जो अपनी शक्ति से बुरे को भी अच्छे में बदल देते हैं।

मास्टर सर्वशक्तिवान वो हैं तो सर्वशक्तियों को अपने ऑर्डर में रखते हैं।

श्रेष्ठ कर्मयोगी वो हैं जो कमल आसनधारी बन माया की आकर्षण से न्यारे व बाप के प्यारे हैं।

सफलता के सितारे वो हैं जो हर कर्म स्वस्थिति में स्थित होकर करते हैं।

विश्वसेवाधारी वो हैं जो अपनी तपस्या द्वारा विश्व में शान्ति के वायब्रेशन फैलाते रहते हैं।

उड़ता पंछी वो हैं जो हर परिस्थिति रूपी पहाड़ को पार अपनी मंजिल को प्राप्त कर लेते हैं।

ज्ञान स्वरूप वो हैं जो हर समय पढ़ाई और बाप से एक समान प्यार करते हैं।

परोपकारी वो हैं जो मान शान का त्याग कर अपने समय को बेहद सेवा में सफल करते हैं।

तीव्र पुरुषार्थी वो हैं जो विस्तार को न देख सार को देख स्वयं में समा लेते हैं।

सच्चे अमूल्य हीरे वो हैं जो परचिन्तन और परदर्शन की धूल से दूर रहते हैं।

फरिश्ते वो हैं जो अपना सब कुछ बाप को अर्पण कर सदा हल्के रहते हैं।

राजयोगी वो हैं जो सेकण्ड में विस्तार को सार में समेट लेता है।

बाप और परिवार के विश्वासपात्र वो हैं जो दिल और दिमाग से ऑनेस्ट रहते हैं।

समझदार वो है जो अपने तन, मन, धन को सफल कर खजानों को बढ़ाते हैं।

महान आत्मा वो है जो हर बोल, कर्म, दृष्टि से हरेक को शान्ति, शक्ति व खुशी का अनुभव कराती है।

महादानी वो हैं जो अपने सर्व खजानों को विश्व की सेवा में सफल करते हैं।

उड़ता योगी वो हैं जो बाप और सर्व की दुआओं के विमान में उड़ते रहते हैं।

पुण्य आत्मा वो हैं जो अपने रहम की दृष्टि से हर आत्मा को परिवर्तन करते हैं।

बालक सो मालिक वो है जो तपस्या के बल से भाग्यविधाता बाप को अपना बना ले।

लवलीन आत्मा वो हैं जो दिलाराम बाप के साथ का अनुभव करते रहते हैं।

योगयुक्त वो हैं जो व्यर्थ संकल्प व विकल्प से किनारा कर आत्मिक स्थिति में रहते हैं।

ट्रस्टी वो हैं जो अपना सब कुछ बाप के हवाले कर दे।

महान आत्मा वह है जो हर कदम श्रीमत पर एक्युरेट चलती है।

रॉयल आत्मा वह है जो अपने हर्षितमुख द्वारा प्योरिटी की रॉयल्टी का अनुभव कराये।

रूहे गुलाब वह है तो अपनी वायुमण्डल में रूहानियत की खुशबू फैलाते हैं।

शान्तिदूत वह है जो अपनी तपस्या द्वारा विश्व में शान्ति की किरणें फैलाते हैं।

सच्चा सेवाधारी वह है जो सुख, शान्ति के वायब्रेशन से लोगों को सुख चैन की अनुभूति कराता है। ओम् शान्ति